2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश, , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study - HINDI

SEMESTER - III

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSC : रीतिकालीन काव्य	4	4	0	0		Nil

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: II	Semester:III Paper-DSC
CourseCode: DSC[3]	Course Title: रीतिकालीन काव्य	

Course Outcomes:

CO 1. शिक्षार्थी हिन्दी साहित्य के तीसरे काल रीतिकाल के विषय में सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 2. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित कविताओं के आधार पर रीतिकालीन कविता की कला और शिल्प का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 3. शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित रीतिकालीन कवियों केशवदास, बिहारी, देव, भूषण, सेनापति और घनानंद की कविताओं से परिचित होता है।

Credits: 4	Discipline Specific Course

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	केशवदास और उनका काव्य – रीति काव्य संचयन, संपादक- डॉ. बचन लाल	10
Unit II	बिहारी और उनका काव्य - रीति काव्य संचयन, संपादक- डॉ. बचन लाल	10
Unit III	देव और उनका काव्य - रीति काव्य संचयन, संपादक- डॉ. बचन लाल	10
Unit IV	घनानंद और उनका काव्य - रीति काव्य संचयन, संपादक- डॉ. बचन लाल	10
Unit V	भूषण और उनका काव्य - रीति काव्य संचयन, संपादक- डॉ. बचन लाल	10
Unit VI	सेनापति और उनका काव्य - रीति काव्य संचयन, संपादक- डॉ. बचन लाल	10

	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

सहायक ग्रंथ

1. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. मध्यकालीन बोध का स्वरूप- डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. मध्यकालीन काव्य साधना- डॉ. वासुदेवसिंह, संजय बुक डिपो, वाराणसी।
4. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी निबंध	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: II	Semester:III Paper-DSE
CourseCode: DSE[1]	Course Title: हिन्दी निबंध	
Course Outcomes:		

	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	

सहायक ग्रंथ

1. रीतिकाव्य – नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. मध्यकालीन बोध का स्वरूप- डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. मध्यकालीन काव्य साधना- डॉ. वासुदेवसिंह, संजय बुक डिपो, वाराणसी।
4. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना – बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE : हिन्दी निबंध	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: II	Semester:III Paper-DSE
CourseCode: DSE[1]	Course Title: हिन्दी निबंध	
Course Outcomes:		

CO 1. शिक्षार्थी निबंध विधा के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 2.शिक्षार्थी हिन्दी में निबंध विधा के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 3.शिक्षार्थी सामाजिक व साहित्यिक विषयों से निबंध के वैचारिक सम्बन्ध तथा अभिव्यक्ति का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 4.शिक्षार्थी निबंध के प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करता है।

CO 5.शिक्षार्थी पाठ्यक्रम में सम्मिलित निबंधकारों के अध्ययन से विचार के क्षेत्र में मौलिक अभिव्यक्ति का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

Credits: 4	**Discipline Specific Electives**	
Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	निबन्ध विधा – परिचय, स्वरूप, शिल्प तथा प्रकार,उद्भव एवं विकास	12
Unit II	बालकृष्ण भट्ट (साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है)	8
Unit III	रामचन्द्रशुक्ल (कविता क्या है)	8
Unit IV	हजारी प्रसाद द्विवेदी (अशोक के फूल)	8
Unit V	हरिशंकर परसाई (पगडंडियों का ज़माना)	8
Unit VI	विद्यानिवास मिश्र (अस्ति की पुकार)	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	8

पाठ्यपुस्तक

1. प्रतिनिधि हिंदी निबंध- संपादक: प्रो. नीरजा टंडन, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी (व्याख्या हेतु संकलित निबन्ध)

सहायक ग्रंथ

2. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार- डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, 23/4762, अंसारीरोड, दरियागंज, दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार- डॉ. गंगाप्रसाद, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद।

TEACHING HOURS – 60

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
GE : लोक साहित्य	**4**	**4**	**0**	**0**		**Nil**

Undergraduate Diploma/Honours in Multidisciplinary Study		
Programme: -HINDI	Year: II	Semester:III Paper-GE
CourseCode: GE[3]	Course Title: **लोक साहित्य**	
Course Outcomes: CO 1. शिक्षार्थी साहित्य के लोकपक्ष का ऐतिहासिक तथा सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करता है। CO 2.शिक्षार्थी लोक साहित्य के स्वरूप, अध्ययन की प्रविधियों, संकलन प्रक्रिया आदि का प्रशिक्षण एवं ज्ञान प्राप्त करता है।		